Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala) and Shri Digvijaya Singh (Madhya Pradesh).

Devastation caused by floods during rainy season in the district of Haridwar

डा. कल्पना सैनी (उत्तराखंड): माननीय उपसभापति महोदय, जिला हरिद्वार में वर्षा ऋतु के दौरान बहने वाली नदियों में बाढ़ आना एक गम्भीर और पुनरावृत्तिमूलक समस्या है। यह बाढ़, वहाँ लोक सभा क्षेत्र के तीन विधान सभा क्षेत्रों को व्यापक रूप से प्रभावित करती है। इस बाढ़ के कारण हर साल हजारों लोग बेघर हो जाते हैं, फसलें नष्ट हो जाती हैं और आर्थिक नुकसान होता है। वहाँ सिंचाई विभाग द्वारा वर्तमान में जो तटबंध निर्मित है, वह केवल जिला हरिद्वार के ग्राम मथाना तक ही सीमित है। इस तटबंध की लंबाई केवल 8 किलोमीटर है। यदि इस तटबंध को जोगावाला-दल्लावाला होते हुए, उत्तर प्रदेश की सीमा तक 12 किलोमीटर और बढ़ा दिया जाए, तो बाढ़ से क्षेत्र की जनता की रक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। इस विस्तार से लोगों को सीधे लाभ होगा और उनकी सम्पत्तियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

आदरणीय उपसभापति जी, यहाँ पर हर वर्ष बाढ़ के कारण काफी आर्थिक नुकसान होता है, जिनमें फसलें, मकान और आधारभूत संरचनाएँ भी शामिल हैं। बाढ़ से प्रभावित अधिकांश गाँव अत्यंत पिछड़े हैं, जो कि कृषि और पशुपालन पर निर्भर हैं। ग्राम मथाना से जोगावाला-दल्लावाला होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा तक तटबंध का निर्माण नहीं होने के कारण लक्सर ब्लॉक के अधिकांश गाँव बरसात के दौरान प्रत्येक वर्ष जलमग्न हो जाते हैं, जिससे ग्रामीणों की फसलों की हानि होने के साथ-साथ जनहानि, धनहानि तथा ग्रामीणों के पालतु पशुओं को भी हानि पहुँचती है और जिसके कारण क्षेत्र का जनमानस प्रभावित रहता है तथा क्षेत्रवासियों का सामाजिक और आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है।

अतः मैं केन्द्र सरकार के जल शक्ति विभाग से इस कार्य को प्राथमिकता से करवाने का विनम्र अनुरोध करती हूँ, ताकि मेरे क्षेत्र के लोग सुरक्षित रह सकें और उनके जीवन में स्थिरता आ सके, धन्यवाद।

श्री उपसभापति: धन्यवाद, डा. कल्पना सैनी।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Dr. Kalpana Saini: Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha), and Shri Niranjan Bishi (Odisha).